राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

नवनीत कुमार गुप्ता

यह सदी विज्ञान की सदी है। इस सदी में अद्वितीय प्रौद्योगिकियों के कारण सामाजिक-आर्थिक क्रांति आई है। प्रौद्योगिकियों के उपयोग के चलते ही मानव ने आज विकास के नए आयामों को छुआ है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में निरंतर बदलाव आ रहा है और इस बदलाव के कारण दुनिया भर में परिवर्तन हो रहा है। आज यह बदलाव ज्ञान आधारित समाज के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इस योगदान को देखते हुए प्रत्येक साल 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। स्वतंत्रता के बाद से ही भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आगे कदम बढ़ाए हैं। प्रधानमंत्री नेहरू एवं उनके बाद अनेक लोगों ने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान कार्य को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। आज भारत वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में कुछ प्रमुख देशों में शामिल है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस भारत की कुछ ऐसी प्रमुख उपलब्धियों की याद दिलाता है जिनके कारण भारत वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी देशों में शामिल हो सका है। 11 मई 1998 को भारतीय वैज्ञानिकों ने सफलतापूर्वक राजस्थान के पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था। ऑपरेशन शक्ति नामक इस परीक्षण में पांच परमाणु बमों का विस्फोट किया गया था। इन बमों में से एक संलयन और चार विखंडन बम थे। इस सफलता ने भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देशों की श्रेणी में खड़ा कर दिया। इसी दिन भारत के पहले स्वदेशी वायुयान हंस-तृतीय की उड़ान का बैंगलौर में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। इसी दिन त्रिशूल मिसाइल का सफल परीक्षण भी संपन्न हुआ था। इन सारे सफल परीक्षणों के बाद इस विशेष दिन यानी 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया गया था।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस हमारी वैज्ञानिक कुशलता, प्रौद्योगिकी रचनात्मकता और टिकाऊ विकास के लिए विज्ञान, समाज एवं उद्योगों के समन्वय का प्रतीक है। यह दिन प्रौद्योगिकी नवाचारों और उनके सफल आर्थिक उपयोग के सम्मान का है। प्रौद्योगिकी नवाचारों के लाभ सामान्य जनता तक पहुंच कर और भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। यह दिन ऐसे व्यक्तियों के सम्मान का है जिनके योगदान के कारण देश के विज्ञान और प्रौद्योगिकी जगत को ख्याति प्राप्त हुई है। इस दिशा में पहल करते हुए भारत का प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड हर साल राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सम्मान प्रदान करता है। इस सम्मान के अंतर्गत प्रौद्योगिकी को विकसित और उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति को 10 लाख रुपए एवं सम्मान पत्र प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रौद्योगिकी बोर्ड ने प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादों का सफल व्यवसायिक उपयोग करने वाली तीन श्रेष्ठ इकाइयों के लिए एक नया अवार्ड घोषित किया है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस सभी नागरिकों को महत्वपूर्ण संदेश देता है। भारत में अनेक प्रतिभाएं है जिनका उपयोग प्रौद्योगिकी नवाचारों के लिए किया जा सकता है। आज विश्व ऐसे प्रौद्योगिकी नवाचारों के विकास की ओर देख रहा है जो सुनहरे भविष्य के अनुरूप हों। ***(स्रोत फीचर्स)***